http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 92

प्रयागराज बुधवार 18 दिसम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रुपया

सेवा योजना एक ऐसी इकाई है

प्रयागराज। राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाईदृ20 का एकदिवसीय शिविर का आयोजन कुलपति संगीता श्रीवास्तव के संरक्षकत्व में , कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेज प्रकाश चतुर्वेदी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम संस्कृत विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं मध्यकालीन इतिहास विभाग के मध्य के उद्यान में स्वयंसेवकों के द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम एवं पौधों की निराई गुड़ाई का कार्य किया गया तत्पश्चात भूगोल विभाग के सामने साफ सफाई करते हुए कचरे का निस्तारण किया गया। तत्पश्चात् नवीन स्वयंसेवकों को सूचित एवं संबोधित करते हुएकार्यक्रम अधिकारी डॉ तेज प्रकाश चतुर्वेदी ने कहा कि जैसा कि राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त ने कहा है ष्वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे । राष्ट्रीय सेवा योजना एक ऐसी इकाई है जिसमें युवा प्रारम्भिक स्तर से समाज सेवा, श्रमदान विभिन्न प्रकार के शैक्षिक एवं सामाजिक कार्यक्रम एवं स्वयंसेवा करते हुए मानव सेवा के लिए तैयार होते हैं । यह युवाओं के सर्वोत्तम एवं चहुंमुखी विकास का अत्यंत उत्तम माध्यम है इस कार्यक्रम के अंतर्गत जन जागरूकता, शिक्षण, अशिक्षित क्षेत्रों में जाकर वहां के लोगों को जागरूक करना आदि विभिन्न प्रकार के कार्य किए जाते हैं ।श्रेष्ठ स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को भारत सरकार एवं राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत भी किया जाता है। राष्ट्रीय स्वयं सेवा योजना के द्वारा युवा विभिन्न क्षेत्रों में अपना सर्वतोमुखी विकास कर सकता है।ष अतिथि वक्तादृ डॉ. संदीप कुमार यादव ने कहा कि ष एन एस एस व्यक्तित्व निर्माण का मञ्च है, यह दबे हुए सकारात्मक तत्त्वों को उदघाटित करता है। अनेक स्वयंसेवकों ने गीत, भाषण एवं कविता के द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रदान की अन्त में शिविर का सफलता पूर्वक सञ्चालन एवं धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम अधिकारी डॉ तेज प्रकाश चतुर्वेदी ने आगामी शिविरों के विषय में जानकारी दी एवं सभी स्वयंसेवकों को सज्ज रहने के लिए कहा। शिवांश शुक्ला, शैलेश कुमार पांडेय, अमन कुमार एवं अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

यह युवाओं के सर्वोत्तम एवं चहुंमुखी विकास का अत्यंत उत्तम माध्यम है इस कार्यक्रम के अंतर्गत जन जागरूकता, शिक्षण, अशिक्षित क्षेत्रों में जाकर वहां के लोगों को जागरूक करना आदि विभिन्न प्रकार के कार्य किए जाते हैं ।श्रेष्ठ स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं को भारत सरकार एवं राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत भी किया जाता है। राष्ट्रीय स्वयं सेवा योजना के द्वारा युवा विभिन्न क्षेत्रों में अपना सर्वतोमुखी विकास कर सकता है।

उप चुनावों में हार के बाद प्रशांत किशोर की जन सुराज में भगदड़

पटना,(एजेंसी)। जनसुराज ने राज्यस्तर पर 125 अथवा 151 लोगों के कोर कमेटी का गठन किया है। इस सम्मान के लिए बहुत–बहुत धन्यवाद। लेकिन, अपरिहार्य कारणों से मैं इस कोर कमेटी में नहीं रहूंगा और हमारा कोर कमेटी से इस्तीफा स्वीकार किया जाया। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पूर्व सांसद मोनाजिर हसन और देवेंद्र यादव ने पार्टी की कोर कमेटी से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि दोनों ने अपने इस्तीफे का कारण नहीं बताया है। डॉ. मोनाजिर हसन ने जनसुराज के अध्यक्ष ने नाम से चिट्ठी लिखते हुए कहा कि सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि जनसुराज ने राज्यस्तर पर 125 अथवा 151 लोगों के कोर कमेटी का गठन किया है। इस सम्मान के लिए बहुत–बहुत धन्यवाद। लेकिन, अपरिहार्य कारणों से मैं इस कोर कमेटी में नहीं रहूंगा और हमारा कोर कमेटी से इस्तीफा स्वीकार किया जाया। जहां तक जनसुराज पार्टी में रहने का सवाल है तो मैं जनसुराज के सदस्य में रूप में मजबूती से बना रहूंगा। दो बड़े चेहरों ने कोर कमेटी की सदस्यता छोड़ दी दो साल पहले गांधी जयंती के दिन ही चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने चंपारण से अपनी पदयात्रा शुरू की थी। दो साल पूरे होने पर दो अक्टूबर को जनसुराज को राजनीतिक पार्टी बना दी है। उस वक्त पार्टी में प्रो. केसी सिन्हा, देवेंद्र यादव, मोनाजिर हसन समेत कई दिग्गज पार्टी में शामिल हुए। इसी दिन प्रशांत किशोर ने उपचुनाव में चारों विधानसभा सीट पर उम्मीदवार उतारने का फैसला भी लिया। लेकिन, प्रशांत किशोर की पार्टी को उपचुनाव में करारी शिकस्त मिली।

रोजगार पैदा करने वाला राज्य यूपी

● अब तक 7 लाख से ज्यादा सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं: सीएम योगी

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानमंडल का शीतकालीन सत्र का आज दूसरा दिन है। आज की कार्यवाही के दौरान सदन में बोलते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर कई सवाल उठाएं। वहीं, उन्होंने विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों पर भी अपने तथ्यों को रखा। सीएम ने कहा कि देश और दुनिया के सामने बेरोजगारी बड़ी चुनौती है। हमारे प्रदेश के सामने भी है। उन्होंने कहा युवाओं के हित के लिए सरकार काम कर रही है, पेपर लीक के लिए हमने अध्यादेश पारित किया, सरकारी नौकरियों में युवाओं को ईमानदारी पारदर्शिता के साथ आरक्षण के नियमों के साथ नौकरियां मिले इसके कार्य हो रहे है। पुलिस में1. 70 लाख पदों पर भर्ती की जा चुकी सीएम ने कहा विपक्ष द्वारा दिए गए आंकड़े तथ्य सत्य नहीं है, पुलिस विभाग में 1.70 लाख पदों पर भर्ती की जा चुकी है। प्रदेश के सभी जिलों के युवा उसमें चयनित हुए हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य, सिंचाई सहित विभिन्न विभागों में भर्ती की गई है। सभी भर्तियां बिना किसी भेदभाव के की गई हैं। सरकार ने शिक्षकों की भी भर्ती की है। माध्यमिक शिक्षा परिषद में भी 40 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया संपन्न की जा चुकी है। माध्यमिक, उच्च, तकनीकि शिक्षा के लिए चयन बोर्ड बनाने की प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही उनमें भी भर्ती की जाएगी। आज पारदर्शिता पर कोई उंगली नहीं उठा सकता इसके अलावा सीएम योगी ने कहा कि 69 हजार शिक्षक भर्ती पर कहा कि सामान्य के लिए 34 हजार पदों में भर्ती होना था। सिर्फ 20 हजार पदों पर भर्ती हुई। आरक्षण को लेकर भ्रम फैलाकर राजनीति की जा रही है। पहले की सरकारों में भर्जी डिग्री के आधार पर भर्ती कर दी जाती थी। आज यह नहीं हो रहा है। एक समय वो था जब फर्जी डिग्री वाला उत्तर प्रदेश पब्लिक सर्विस कमीशन का अध्यक्ष बन गया था। आज भर्ती प्रक्रिया में कोई खामी नहीं। आज पारदर्शिता पर कोई उंगली नहीं उठा सकता। आज वन डिस्ट्रिक्ट–वन प्रोडक्ट के माध्यम से रोजगार सृजन किया जा रहा है। आज 120 चीनी मिलें प्रदेश में चल रही हैं। इनमें से 100 मिलें 8–10 दिन में भुगतान कर रही हैं। सबसे ज्यादा चीनी मिले यूपी में हैं। सबसे ज्यादा रोजगार पैदा करने वाला प्रदेश यूपी है। विपक्ष का मतलब सिर्फ बुराई करना नहीं विपक्ष का मतलब सिर्फ बुराई करना नहीं। अच्छे को अच्छा भी कहिए। अच्छा कहेंगे, अच्छा करेंगे तो आगे अच्छा मिलेगा। प्रदेश में किसी भी नौजवान के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की छूट किसी को नहीं है। कहा कि युवा पढ़ाई करे के बाद खुद को असहाय न महसूस करे। खुद को आत्मनिर्भर समझे। सरकार इसके लिए बराबर कदम उठा रही है।

श्रीनगर का न्यूनतम तापमान शून्य से 5.3 डिग्री सेल्सियस नीचे गिरा

श्रीनगर,(एजेंसी)। कश्मीर घाटी में बर्फीली ठंड का कहर जारी है और राजधानी श्रीनगर का न्यूनतम तापमान मंगलवार को शून्य से 5.3 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि सोमवार देर रात श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 10 दिसंबर को दर्ज किए गए इस मौसम के सबसे ठंडे तापमान शून्य से 5.4 डिग्री सेल्सियस से केवल एक डिग्री कम था, जो सामान्य से 3.3 डिग्री सेल्सियस कम यानी शून्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। कश्मीर घाटी के अलग–अलग स्थानों पर शीत लहर जारी रहने के आसार हैं। यहां 21 दिसंबर तक मौसम आम तौर पर शुष्क रहने के आसार हैं और एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ (डब्ल्यूडी) आने का अनुमान है। कश्मीर घाटी के ऊंचे इलाकों में 21–22 दिसम्बर की रात को हल्की बर्फबारी होने के आसार हैं। पर्यटन स्थल पहलगाम सबसे ठंडा स्थान रहा और रात के तापमान में और गिरावट देखी गई, मंगलवार को शून्य से नीचे 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक दिन पहले 5.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो सामान्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस कम है। कश्मीर के प्रवेश द्वार शहर काजीगुंड में भी न्यूनतम तापमान में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई और सोमवार को शून्य से 4.0 डिग्री सेल्सियस नीचे के मुकाबले शून्य से 6.0 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.7 डिग्री सेल्सियस कम है। दक्षिण कश्मीर में कोकेरनाग का तापमान और नीचे खिसक गया तथा पिछली रात के शून्य से 3.9 डिग्री सेल्सियस कम के मुकाबले शून्य से 5.7 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया।

एक देश–एक चुनाव बिल लोकसभा में पेश

● विपक्षी सांसदों ने विरोध किया, वोटिंग के बाद टेबल किया गया बिल

देश में जब एक साथ चुनाव हुए

स्रोत: कोविंद कमेटी रिपोर्ट

वर्ष	लोकसभा चुनाव	विधानसभा चुनाव
1951	अक्तूबर-फरवरी 1952	असम, बिहार, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बंगाल
1957	फरवरी-जून 1957	आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बंगाल
1962	फरवरी 1962	आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, मप्र, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बंगाल
1967	फरवरी 1967	उप्र, महाराष्ट्र, पश्चिमी बंगाल, बिहार, तमिलनाडु, मप्र, कर्नाटक, गुजरात, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल, असम, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, गोवा

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। श्एक देश, एक चुनावश विधेयक को लोकसभा में पेश कर दिया गया। इससे पहले बीते गुरुवार को इसे केंद्रीय कैबिनेट ने मंजूरी दी थी। वहीं, सितंबर में कोविंद समिति की रिपोर्ट को मंजूरी दी गई थी। श्एक देश, एक चुनावश विधेयक को मंगलवार को लोकसभा में पेश कर दिया गया। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विधेयक को सदन के पटल पर रखा। सदन में चर्चा के दौरान कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस जैसे बड़े विपक्षी दलों ने इस विधेयक का विरोध किया। इससे पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बीते गुरुवार को श्एक देश, एक चुनावश विधेयक को मंजूरी दे दी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले 2019 में 73वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक देश एक चुनाव के अपने विचार को आगे बढ़ाया था। उन्होंने कहा था कि देश के एकीकरण की प्रक्रिया हमेशा चलती रहनी चाहिए। 2024 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भी प्रधानमंत्री ने इस पर विचार रखा था। आखिर क्या है एक देश एक चुनाव का प्रस्ताव? पहले कब उठा था यह मुद्दा? क्या पहले कभी एक साथ देश में चुनाव हुए हैं? इस पर चुनाव आयोग का क्या रुख है? एक साथ चुनाव पर अभी क्या हुआ है? कोविंद समिति की सिफारिशें क्या हैं? आइये जानते हैं... क्या है श्एक देश एक चुनावश? इस प्रस्ताव का उद्देश्य पूरे देश में लोकसभा और विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराना है। फिलहाल लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव अलग–अलग होते हैं, या तो पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद या जब सरकार किसी कारण से भंग हो जाती है। इसकी व्यवस्था भारतीय संविधान में की गई है। अलग–अलग राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल अलग–अलग समय पर पूरा होता है, उसी के हिसाब से उस राज्य में विधानसभा चुनाव होते हैं। हालांकि, कुछ राज्य ऐसे भी हैं जहां विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ होते हैं। इनमें अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम जैसे राज्य शामिल हैं। वहीं, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मिजोरम जैसे राज्यों के चुनाव लोकसभा चुनाव से ऐन पहले हुए तो लोकसभा चुनाव खत्म होने के छह महीने के भीतर हरियाणा, जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से एक देश एक चुनाव के समर्थक रहे हैं। प्रधानमंत्री ने 2019 के स्वतंत्रता दिवस पर एक देश एक चुनाव का मुद्दा उठाया था। तब से अब तक कई मौकों पर भाजपा की ओर एक देश एक चुनाव की बात की जाती रही है।

एक देश एक चुनाव की बहस की वजह क्या है? दरअसल, एक देश एक चुनाव की बहस 2018 में विधि आयोग के एक मसौदा रिपोर्ट के बाद शुरू हुई थी। उस रिपोर्ट में आर्थिक वजहों को गिनाया गया था।

भारतीय संविधान गंभीर चिंतन का परिणाम: नड्डा

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। राज्यसभा में सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को कहा कि भारतीय संविधान गहन चिंतन– मनन , मंथन और गंभीर विचार विमर्श का परिणाम है। श्री नड्डा ने सदनघ् में 'भारतीय संविधान के 75 वर्ष की गौरवपूर्ण यात्रा' की चर्चा फिर शुरू करते हुए कहा कि भारतीय संविधान नये देश का नहीं था, बल्कि यह पुरातन संस्कृति वाले देश का संविधान है। संविधान सभा के सदस्य इस तथ्य को भली–भांति जानते थे। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान तमाम कठिनाइयों और मुसीबतों से निकलने की प्रेरणा देता है। संविधान में भारतीय संस्कृति के प्रतीकों की छाप है। उन्होंने कहा कि बुरे तत्व भी प्रारंभ से ही संविधान से इतर काम करने लगे। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने 562 रियासतों को भारत संघ में शामिल किया, लेकिन एक रियासत जम्मू–कश्मीर का जिम्मा पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लिया। भारत में जम्मू–कश्मीर के एकीकरण की प्रक्रिया में उन्होंने शेख अब्दुल्ला को शामिल किया गया। अनुच्छेद 370 संविधान पर आघात था। जम्मू–कश्मीर को भारत में शामिल करने के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने बलिदान दिया और उन्होंने श्रीनगर जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में अंतिम सांस ली। सदन के नेताघ् ने कहा कि अनुच्छेद 35 ए राष्ट्रपति आदेश के जरिए जोड़ा गया।

और संविधान की भावना तथा संसद की अवहेलना की गई। इसके जरिये जम्मू–कश्मीर की नागरिकता के प्रावधान तय किए गए। जम्मू–कश्मीर की महिलाओं को राज्य के बाहर शादी करने पर संपत्ति के अधिकार से वंचित कर दिया गया। इसके अनुसार राज्य का नागरिक उसी को माना जाएगा जो 1944 के पहले वहां रहा करते थे।

संविधान के अनुसार संसद के बने हुए कानून जम्मू–कश्मीर में लागू नहीं होते थे।

रेप के दोषियों को नपुंसक बनाने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट बोला

● ये बेहद क्रूर, निर्भया केस की 12वीं बरसी पर अर्जी लगाई गई

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के इस साल ऐसे तमाम फैसले सुनाए जो समाज के लिए नजीर बन गए। बिलकिस बानो के दोषियों की सजा माफी रद्द करने से लेकर बुलडोजर जस्टिस और चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर लगाम लगाने जैसे तमाम ऐतिहासिक फैसलों ने समाज की नई दिशा कायम की। इस साल कई महत्वपूर्ण मामलों को कोर्ट ने निपटाया। आज हम आपको बताते हैं कि इस साल सुप्रीम कोर्ट ने कौन–कौन से बड़े फैसले सुनाए। साल 2024 कई मायनों में खास रहा है। एक ओर देश–दुनिया को तमाम बड़ी उपलब्धियां हासिल हुईं तो सुप्रीम कोर्ट के इस साल ऐसे तमाम फैसले सुनाए जो समाज के लिए नजीर बन गए। बिलकिस बानो के दोषियों की सजा माफी रद्द करने से लेकर बुलडोजर जस्टिस और चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर लगाम लगाने जैसे तमाम ऐतिहासिक फैसलों ने समाज की नई दिशा कायम की। जेलों में होने वाले जातिगत भेदभाव पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई तो वहीं रिश्वतखोरी मामले में एमपी एमएलए को जेल भेजने का फैसला सुनाकर सुप्रीम कोर्ट ने राजनीति के स्तर को संतुलित करने की कोशिश की। इसके अलावा इस साल कई महत्वपूर्ण मामलों को कोर्ट ने निपटाया। आज हम आपको बताते हैं कि इस साल सुप्रीम कोर्ट ने कौन–कौन से बड़े फैसले सुनाए। देश की सर्वोच्च अदालत है सुप्रीम कोर्ट देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट है। सुप्रीम कोर्ट की स्थापना संविधान के अनुच्छेद 124 के तहत स्थापित की गई थी। शीर्ष अदालत के पास कानूनों की व्याख्या करने और उन पर निर्णय देने की शक्ति है। इतना ही नहीं, इसके पास उच्च न्यायालयों और अन्य सभी न्यायालयों के निर्णयों की भी समीक्षा करने की भी ताकत है। सुप्रीम कोर्ट नागरिकों के मूल अधिकारों की रक्षा करने के लिए भी जिम्मेदार है। बिलकिस बानो के दोषियों की सजा माफी रद्द की साल की शुरुआत में जनवरी में ही सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो मामले में गुजरात सरकार के फैसले को पलटते हुए दोषियों की सजा माफी रद्द कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जहां अपराधी के खिलाफ मुकदमा चला और सजा सुनाई गई, वही राज्य दोषियों की सजा माफी का फैसला कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा दोषियों की सजा माफी का फैसला गुजरात सरकार नहीं कर सकती बल्कि महाराष्ट्र सरकार इस पर फैसला करेगी।

अमृत कलश टाइम्स
हिन्दी दैनिक

ट्रंप का रुख

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में डॉनल्ड ट्रंप की जीत ने जिस एक सवाल की ओर सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है, वह है यूक्रेन युद्ध पर अब उनके देश का क्या रुख होगा। इस सवाल की अहमियत का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि यूक्रेन के आसपास के देशों में अभी से इसे लेकर हलचल दिखने लगी है। पोलैंड के प्रधानमंत्री जल्द ही इस संबंध में फ्रांसीसी राष्ट्रपति और ब्रिटिश प्रधानमंत्री के साथ ही नैटो प्रमुख से विचार–विमर्श करने वाले हैं।

इन संदेहों और आशंकाओं की जड़ में हैं ट्रंप के चुनाव से पहले दिए गए बयान, जिनमें न केवल 24 घंटे के अंदर रूस–यूक्रेन युद्ध रुकवाने का वादा किया गया था बल्कि युद्ध में यूक्रेन को दी जा रही बाइडन सरकार की मदद पर भी सवाल उठाए गए थे। ऐसे में कुछ हलकों में माना जा रहा है कि राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद डॉनल्ड ट्रंप यूक्रेन को मिल रही मदद पर रोक न भी लगाएं तो उसे कम करने का फैसला तो कर ही सकते हैं।

हालांकि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से फोन पर हुई बातचीत के दौरान ट्रंप ने उन्हें भरोसा दिलाया कि वह रूस से जारी जंग में उनकी मदद करेंगे। लेकिन कूटनीतिक हलकों में इस आश्वासन को ज्यादा अहमियत इसलिए नहीं दी जा रही क्योंकि इसका असल में क्या मतलब है, यह स्पष्ट होना बाकी है। खुद जेलेंस्की ने भी ट्रंप से बातचीत के बाद कहा कि हमें सुनिश्चित करना होगा कि इस इंटरएक्शन के नतीजे प्रॉडक्टिव और पॉजिटिव हों।

इस बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाषण के दौरान ट्रंप को जीत की बधाई देते हुए उन्हें न केवल साहसी व्यक्ति बताया बल्कि यह भी कहा कि यूक्रेन युद्ध बंद करने में मदद की उनकी इच्छा गौर करने लायक है और वह ट्रंप से बातचीत के लिए तैयार हैं।

ऐसे में स्वाभाविक ही जहां यूक्रेन पर अमेरिका की ओर से किसी नई पहल या नए कदम की संभावना देखी जा रही है, वहीं यूरोपीय हलकों में इस आशंका को एक वास्तविकता के रूप में लेने की भावना मजबूत हो रही है कि उसे अपनी सुरक्षा से जुड़े मसलों को खुद ही देखना होगा। इस मामले में अमेरिकी मदद को तय मानकर नहीं चला जा सकता।

बहरहाल, इन तमाम चिंताओं के पीछे अभी ट्रंप के चुनावी बयानों से बनी धारणाएं ही हैं। पॉलिसी से जुड़े इन मसलों में दांव पर बहुत कुछ लगा है, इसलिए जल्दबाजी में किसी फैसले या बदलाव की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। देखना होगा कि प्रत्याशी ट्रंप के बयानों पर राष्ट्रपति ट्रंप का रुख कैसा होता है। साथ ही, अगर उनके प्रयासों से दुनिया में शांति कायम होती है तो भला उससे अच्छी बात क्या होगी।

सख्त फैसला

देश के अलग–अलग हिस्सों में शुरू हुए कथित 'बुलडोजर न्याय' के नए चलन में निहित खतरों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ठीक ही इस पर प्रभावी रोक लगा दी। इस संबंध में बुधवार को आया सर्वोच्च अदालत का फैसला निश्चित रूप से सख्त फैसलों की श्रेणी में रखा जाएगा, लेकिन यह सख्ती जरूरी थी।मामले की गंभीरता का अंदाजा इस बात से हो सकता है कि एक बार शुरू होने के बाद यह चलन तेजी से फैलता जा रहा था। कई राज्यों में इसे अपराधी तत्वों पर अंकुश लगाने का एक कारगर तरीका माना जाने लगा था। हालांकि इसे गलत और मान्य कानूनी प्रक्रिया के खिलाफ बताने वाले भी कम नहीं थे, लेकिन न केवल आम लोगों के एक हिस्से में इसके प्रति समर्थन देखा जा रहा था बल्कि प्रशासनिक हलकों में भी इसके बचाव में कई तरह की दलीलें दी जा रही थीं। इन सबसे असमंजस के हालात बने हुए थे।

इस केस पर विचार करते हुए कोर्ट को कई सवालों से जूझना पड़ा। मसलन– कानून का पहलू तो इससे जुड़ा था ही, संविधान द्वारा नागरिकों को दिए गए उन अधिकारों का भी सवाल था जो उसे राज्य की मनमानी कार्रवाइयों से सुरक्षा देते हैं। न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता और लोकसेवकों के प्रति आम जनों के विश्वास का प्रश्न भी इससे जुड़ा था।सुप्रीम कोर्ट ने इन तमाम पहलुओं का ध्यान रखते हुए न केवल बुलडोजर के जरिए न्याय करने की इस प्रवृत्ति को खारिज किया बल्कि उन आधारों को भी स्पष्ट किया, जिनसे इस बात की पहचान होती है कि प्रशासन

ने कब अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया। फैसले में कहा गया है कि जब किसी खास निर्माण को अचानक निशाना बनाया जाता है और उस तरह के अन्य निर्माणों को छुआ भी नहीं जाता, तब ऐसा लगता है कि कार्रवाई का असल मकसद किसी आरोपी को बिना मुकदमा चलाए सजा देना है।खास बात यह कि शीर्ष अदालत इस तरह की कार्रवाई को गलत बताकर ही नहीं रुकी, उसने यहां तक कहा कि अगर किसी व्यक्ति का घर इस तरह से तोड़ा जाता है तो उसे फिर से बनाने का खर्च संबंधित ऑफिसरों के वेतन से काटा जाएगा। दूसरी बात यह कि अदालत ने इस फैसले की सीमाएं स्पष्ट करते हुए यह भी कहा कि सार्वजनिक स्थलों जैसे सड़क, फुटपाथ, रेलवे लाइन आदि पर बने अवैध निर्माण इन निर्देशों के दायरे में नहीं आएंगे। कुल मिलाकर, सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती और संतुलन का जो बेहतरीन तालमेल इस फैसले में दिखाया है, वह देश में संवैधानिक मूल्यों को मजबूती देने वाली एक मिसाल के रूप में याद रखा जाएगा।

बदल रही तस्वीर और तकदीर

नसीम अहमद खान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए संचालित पीएम जनमन योजना (प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान) के चलते छत्तीसगढ़ राज्य के अति पिछड़े जनजातीय समुदाय तकदीर और इनकी बसाहटों की तस्वीर तेजी से बदलने लगी है। विशेष पिछड़ी जनजातियों के रहवासी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विकास होने लगा है। बरसों–बरस से आवास, स्वच्छ पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित इन जनजातीय समूहों को अब मिशन मोड में यह बुनियादी सुविधाएं सुभल होने लगी है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पीएम जनमन योजना के सफल क्रियान्वयन से राज्य के सभी विशेष पिछड़ी जनजातीय इलाकों में बुनियादी विकास एवं निर्माण के कार्य तेजी से कराये जा रहे है। राज्य में पीएम जनमन योजना को शुरू हुए अभी एक साल का भी अरसा पूरा नहीं हुआ है, फिर भी छत्तीसगढ़ सरकार की प्रतिबद्धता के चलते इसके सार्थक परिणाम दिखाई देने लगे है। कबीरधाम जिले में प्रधानमंत्री जनमन योजना के चलते बैगा समुदाय की तकदीर और इनकी बसाहटों की तस्वीर बदलने लगी है।

छत्तीसगढ़ राज्य के उत्तर–पश्चिम भाग में स्थित कबीरधाम, राजनांदगांव, मुंगेली, बिलासपुर और कोरिया जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के लोग निवास करते है। जनसंख्यात्मक दृष्टिकोण से बैगा, छत्तीसगढ़ राज्य की विशेष पिछड़ी जनजातियों में सर्वाधिक आबादी वाला जनजाति समुदाय है। छत्तीसगढ़ राज्य में उक्त 5 जिलों में बैगा समुदाय के 24 हजार 589 परिवार निवासरत है, जिसमें से लगभग 46 प्रतिशत यानि 11 हजार 261 परिवार कबीरधाम जिले में रहते हैं।

कबीरधाम जिले के बोड़ला एवं पंडरिया में बैगा समुदाय के लोग निवास करते हैं। इस समुदाय की 38 बसाहटों में निवासरत 255 परिवारों के घरों में विद्युत सुविधा से रौशन किया जा चुका है, जबकि 56 बैगा बसाहटों को जोडने के लिए 186.20 किलोमीटर लम्बाई वाली 47 सड़कों के निर्माण के लिए 135.72 करोड़ रूपए की स्वीकृति दी गई है। इनमें से 42 सड़कों के निर्माण प्रारंभ हो चुका है, जिसके अंतर्गत पक्की डामरीकृत सड़क एवं नदी–नालों पर पुल–पुलियों का निर्माण जारी है।

कबीरधाम के पंडरिया विकासखंड के ग्राम भागड़ा, जामुनपानी, कामठी, कुई, मंगली सारपानी टाकटाईयां, बदना, गुडा, छिरहा, मुनमुना, नेउर और लालपुर में विशेष शिविर लगाकर बैगा समुदाय के लोगों के स्वास्थ्य एवं सिकलसेल की जांच के साथ ही 1870 बैगा परिवारों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए हैं। इन गांवों के 86 गर्भवती माताओं का सुरक्षित प्रसव कराया गया। स्वास्थ के प्रति जन–जागरूकता का विशेष अभियान संचालित करने का यह परिणाम है कि अब बैगा समुदाय की महिलाएं भी प्रसव के लिए सरकारी अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों में बिना झिझक आने लगी है।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खेती–किसानी के लिए दी जा रही मदद के चलते अब बैगा समुदाय के लोग बेवर खेती को छोड़ परंपरागत तौर–तरीकों से खेती–किसानी करने लगे है। बेवर खेती दरअसल झूम खेती है। बैगा समुदाय के लोग एक स्थान पर स्थायी तौर पर निवास न करने के कारण बेवर यानी झूम खेती किया करते थे। बिना ब्याज के कृषि ऋण, अनुदान पर कृषि यंत्रों सहित अन्य सुविधाएं मिलने की वजह से बैगा समुदाय के लोग अब बेवर खेती को छोड़ स्थायी खेती करने लगे है। कबीरधाम जिले में शासन द्वारा बैगा समुदाय के लोगों को किसान क्रेडिट कार्ड एवं खेती–किसानी के लिए इस वर्ष 11.70 लाख रूपए का कृषि ऋण दिया जा चुका है।ग्राम दमगढ़ निवासी समेलाल बैगा के पास 5.5 एकड़ कृषि भूमि है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत उन्होंने एक लाख रूपए ऋण लेकर अपनी कृषि भूमि पर धान की खेती के लायक बना दिया है। समेलाल का कहना है कि धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी और राशि का तत्काल भुगतान होने से उन्हें कृषि से लाभ होने लगा है। ग्राम रोखनी के राजकुमार बैगा के पास 02 एकड़ कृषि भूमि है। प्रधानमंत्री जनमन योजना से ऋण लेकर उन्होंने खेत का सुधार कराया है और धान की खेती की है। फसल अच्छी होने की वजह से उन्हें, इससे लाभ होने की उम्मीद है। नवीन क्रेडिट कार्ड से ऋण मिलने से खेती की जरूरतें पूरी होने लगी है।

पीएम–जनमन योजना के चलते कबीरधाम जिले की 260 बैगा बसाहटों में सोलर पंप, पानी टंकी, पाईप लाईन के माध्यम से बैगा परिवारों के घरों में नल से जल की आपूर्ति का काम तेजी से कराया जा रहा है। वर्तमान में विकासखंड बोड़ला के 181 बसाहटों में से 62 बसाहटों में सोलर पंप, पानी टंकी, पाईप लाईन के माध्यम से जलापूर्ति शुरू कर दी गई है, शेष 119 बसाहटों में नल कनेक्शन दिए जाने का काम जारी है। पंडरिया ब्लॉक अंतर्गत 78 बैगा बसाहटों में से 18 बसाहटों में नल से जल प्रदाय करने का काम पूरा हो चुका है, जबकि शेष बसाहटों में पानी टंकी निर्माण कार्य, पाईप लाईन बिछाने का काम जारी है। बैगा बसाहटों में पेयजल के लिए पहले से हैण्डपंप स्थापित है। प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत कबीरधाम जिले में 8 हजार 596 विशेष पिछड़ी जनजाति के तहत बैगा समुदाय के परिवारों का सर्वे में 8 हजार 440 परिवार बैगा परिवार आवास के लिए पात्र पाए गए है, जिनमें से 7853 का परिवारों का पंजीयन आवास पोर्टल में किया गया है एवं 7394 परिवारों को आवास की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत परिवारों में से 6 हजार 678 हितग्राहियों को प्रथम किश्त, 3031 हितग्राहियों को द्वितीय किश्त एवं 1081 हितग्राहियों को तृतीय किश्त की राशि ऑनलाईन डी.बी.टी. के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जा चुकी है। बैगा समुदाय के रहवासी इलाकों में 4 छात्रावास, 39 आंगनबाड़ी केन्द्र, 2 वनधन केन्द्र, 13 बहुद्देशीय केन्द्र सहित कुल 370 कार्यों की स्वीकृति दी गई हैं, जिन्हें तेजी से पूरा कराया जा रहा है।

भ्रष्टाचार से पीडित देशवासी

ओमप्रकाश मेहता

एक जमाना था, जब राजनीति को सही अर्थों में जनसेवा का सशक्त माध्यम माना जाता था, किंत अब यही माध्यम भ्रष्टाचार का सशक्त माध्यम बन गया है और आज के सत्ताधीश इस सामाजिक कोढ को मिटानें के नही, बल्कि इसके विस्तार के माध्यम बने हुए है, सवाल अब सिर्फ भ्रष्टाचार को सिर्फ आगे बढ़ानें का नही बल्कि उसे कानूनी रूप से रोकने या खत्म करने की शपथ वाली एजेंसियां भी इस कोढ के विस्तार का माध्यम बना दी गई है, आज की राजननीति नें सीबीआई, सीआईडी जैसी सरकारी जोंच ऐजेंसियों को अपने तुच्छ इरादों और मकसदों का माध्यम बना रखा है और इन तथाकथित स्वतंत्र जांच एजेंसियों पर कब्जा कर इन्हें इनके कार्य व दायित्व को ईमानदारी से निभानें में अवरोध पैदा करना शुरू कर दिया हैढ्ढ

इन्हें स्वतंत्र रूप से अपने दायित्व निर्वहन की अनुमति ही नही दी जा रही है, इसका ताजा उदाहरण हाल ही में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीबीआई) द्वारा जारी रिपोर्ट है, जिसमें खुलासा किया गया है कि केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) गंभीर भग्रष्टाचार सें सम्बन्धित 212 मामलों की जांच करके दोषियों को दण्डित करना चाहती है, लेकिन चूंकि इस जांच के लिए केंद्र व सम्बन्धित राज्य सरकारों की मंजूरी कानूनी तौर पर जरूरी है और केंद्र व सम्बन्धित राज्य सरकारों में विराजित आरोपित अधिकारी व नेता जांच करवाना नही चाहतें, इसलिए सीबीआई इनकी जॉच नही कर पा रही है, सीबीआई के पास ऐसी जॉच की अनुमति के प्रकरण पिछले वर्षों से लम्बित है और सम्बन्धित भ्रष्ट अधिकारी व नेता यह जॉच होनें नही देना चाहते?अब यहां सवाल यह है कि जिनकी जॉच होना है, वे ही भला जॉच की अनुमति कैसे देगें? यह अनुमति का प्रावधान रखा ही क्यों गया? जब सीबीआई, सीआईडी कों स्वतंत्र जॉच एजेंसी का दर्जा दिया ग्रया है तो फिर उनकी स्वतंत्रताय क्यों छीन ली गई? आज इसी बात को लेकर केंद्रीय सतर्कता जॉच आयोग (सीबीआई) कॉफी परेशान है, फिर सवाल यह भी है कि सीबीसी (सतर्कता आयोग) जब कानूनी रूप से स्वतंत्र है तो सलाहो को केन्द्र व राज्य सरकारें मानती क्यों नही है?सीबीआई ने दिसम्बर 2023 तक की जारी अपनी रिपोर्ट में उन मामलों का भी जिक्र

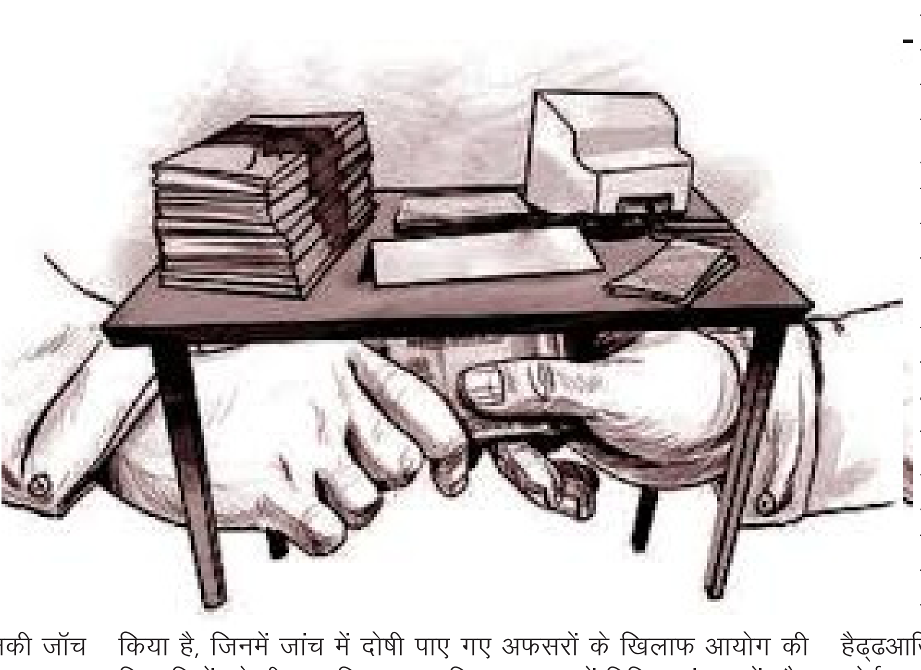

किया है, जिनमें जांच में दोषी पाए गए अफसरों के खिलाफ आयोग की सिफारिशों को भी दर–किनार कर दिया गया इनमें विभिन्न मंत्रालयों और केंन्द्र सरकार के अधीन संस्थाऐं (पीएसयू बैंक आदि) शामिल है, सीबीसी केंन्द्रीय मंत्रालायों और पीएसयू बैंकों में मुख्य सतर्कता अधिकारियों (सीबीओ) के जरिए भ्रष्टाचार पर अनियमितताओं पर नजर रखता है।इस रिपोर्ट में मुख्य राज्य सरकारों व केंद्र शासित राज्यों में लम्बित मामलों की जानकारी भी दी गई है, जिनमें महाराष्ट्र में तीन, उत्तरप्रदेश में दस, पश्चिम बंगाल में चार, जम्मू–कश्मीर में चार, पंजाब में चार, मध्यप्रदेश में एक व अन्य पन्द्रह मामलें है, इन 41मामलों में 149 अधिकारी शामिल बताए गए है। इनके अलावा 81 अन्य मामलें तीन माह से ज्यादा पुराने है। लम्बित मामलों में 249 अधिकारियों के खिलाफ 81 मामले लम्बित है, इनकी लम्बे समय से जॉच रिपोर्ट आ जाने के बाद भी अभियोजन की मंजूरी के अभाव मे ये मामले लम्बित है और सरकार के विभिन्न पदों पर अभी भी विराजित ये अधिकारी अपनी भ्रष्टाचार की भूख को शांत नही कर पा रहे है और उसमे दिन दूनी रात चौगनी अभिवृद्धि हो रही है।

अब सीबीआई अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ करना चाहती है, किंतु वह करें कैसे? अभियोजन की मॅजूरी का अवरोध सामने जो है? अब सवाल यही मूल है कि भ्रष्टाचार मिटे कैसे, उसे मिटाने की किसी को चाहत तो हो? इसका एक ही सरल उपाय है सीबीआई, सीआईडी को जॉच की अनुमति के बन्धन से मुक्त कर उसे स्वतंत्र छोड़ दिया जाए, जो आज कें इस युग मे सम्भव नही है।ज्और इस मामलें में स्पष्ट व न्यायपूर्ण सोच के अभाव में यह रोग अब महारोग बनता जा रहा है, जो संक्रमण की तरह हर सरकार को खोखला करता जा रहा है और इस बारे में कहीं किसी भी दिशा या स्तर पर गंभीरता नही हैढ्ढआखिर यही हाल रहा तो इस देश का क्या होगा? इस सवाल का अब कोई महत्व नही है, क्योंकि इसका उत्तर किसी के पास भी नही है, चिंतित है तो केवल और केवल भ्रष्टाचार से पीडिघ्त देशवासी।

दोषी नेहरू जी को क्यों न माना जाए?

आर.के. सिन्हा

भारत और चीन के बीच हाल ही में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। इससे या आशा की जाती है कि दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को हल करने में मदद मिलेगी। दशकों बाद यह एक सकारात्मक पहल हुई है ।सबको पता है कि दोनों मुल्कों के सीमा विवाद के कारण ही 1962 में जंग भी हुई थी। उस जंग में भारतीय सेना के वीर जवानों ने चीन के गले में अंगूठा तो डाल दिया था, पर चीन ने हमारे बहुत बड़े हिस्से पर कब्जा भी कर लिया था। चीन के खिलाफ जंग में भारत के उन्नीस रहने के लिए कौन मुख्य रूप से दोषी था? कांग्रेस नेता और देश के पूर्व विदेश मंत्री के. नटवर सिंह कहते थे कि चीन नीति पर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की दूरदृष्टि की कमी थी। इसी कारण 1962 में भारत की सेना चीन से हारी थी। उस जंग के समय नटवर सिंह भारतीय विदेश सेवा के एक वरिष्ठ जिम्मेदार अफसर थे। वे कहते थे, ष्जवाहरलाल नेहरू का मानना था कि हम चीन के साथ अच्छे संबंध बना सकते हैं। वे समझ ही नहीं सके कि चीन हमारी पीठ पर छुरा घोंप देगा। दुर्भाग्यवश, उनकी चीन नीति बुरी तरह से गलत साबित हुई।ष यह लिखा है पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह ने जो कांग्रेस सरकार में ही मंत्री थे ।

स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री के रूप में जवाहरलाल नेहरू का कार्यकाल चीन के साथ संबंधों में सदैव उतार–चढ़ाव का ही बना रहा। 1949 में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना से लेकर 1964 में मृत्यु तक, नेहरू का दृष्टिकोण चीन के प्रति विश्वास और आकर्षण से शुरू होकर अंततः चरम उदासीनता में बदल गया था। चीन से स्पष्ट नकारात्मक संकेतों के बावजूद, नेहरू " हिंदी – चीनी भाई–भाई " का नारा बुलंद कर न जाने क्यों संबंध के भ्रम को बनाए रखने के लिए ही उत्सुक थे। वे देश को चीन से जुड़े विवाद को लगातार छिपाते रहे और कृष्णमेनन जैसे कम्युनिस्ट की बात मानकर लगातार देश विरोधी गलत निर्णय लेते रहे ।

दरअसल नेहरू के साथ एक बड़ी दिक्कत यह थी कि उन्हें लगता था कि सारा बुद्धि– विवेक और समझदारी उन्हीं के पास है। चीन से युद्ध के बाद उनके जन्म दिन (14 नवंबर) को संसद में चीन से युद्ध के परिणामों पर हो रही चर्चा पर उन्हें बोलना था। चर्चा 8 नवंबर, 1962 से ही जारी थी। सभी दलों के नेता अपनी बेबाक राय रख रहे थे। संसद के बाहर भी नेहरू को ही घेरा जा रहा था। लोहिया ने 1949 में ही देश को आगाह कर दिया था कि उत्तरवर्ती सीमाओं से देश पर साम्यवाद का खतरा मंडरा रहा है। यह बात उन्होंने खासतौर पर तिब्बत, नेपाल और सिक्किम में चीन की भूमिका को लक्ष्य करते हुए कही थी। साल 1950 में तिब्बत पर चीन के हमले की निंदा करने वालों में डॉ ० लोहिया अग्रणी रहे। इसके बाद से उन्होंने लगातार चीन की सीमा पर नजर जमाये रखी और नेहरू को खबरदार किया कि चीनी निजाम को उसकी कथनी के हिसाब से देखना–समझना या फिर चीन के साथ सीमाओं को लेकर किसी किस्म के लेन–देन की बातचीत में उतरना ठीक नहीं। साल 1962 में भारत को जो सदमा झेलना पड़ा उसके लिए लोहिया ने नेहरू को बड़ी खरी–खरी सुनायी थी। खैर, नेहरू ने संसद में लंबी बहस के बाद अपना वक्तव्य देना शुरू करते हुए कहा– "मुझे दुख और हैरानी होती है कि अपने को

विस्तारवादी शक्तियों से लड़ने का दावा करने वाला चीन खुद विस्तारवादी ताकतों के नक्शेकदम पर चलने लगा।" उन्हें सारा सदन पूरी गंभीरता से सुन रहा था। नेहरू जी बता रहे थे कि चीन ने किस तरह से भारत की पीठ पर छुरा घोंपा। पर जब उनके भाषण के बीच किसी सदस्य ने हस्तक्षेप किया तो वे बुरी तरह नाराज हो गए। पहली बार करनाल से सांसद स्वामी रामेश्वरानन्द ने व्यंग्य भरे अंदाज में कहा, 'चलो अब तो आपको भी चीन का असली चेहरा दिखने लगा।' इस टिप्पणी पर नेहरू नाराज हो गए। कहने लगे, "अगर माननीय सदस्य चाहें तो उन्हें सरहद पर भेजा जा सकता है।" सदन को भी नेहरू की यह बात समझ नहीं आई। नेहरू प्रस्ताव पर बोलते ही जा रहे थे। तब एक और सदस्य एच.वी.कामथ ने कहा, "आप बोलते रहिए। हम बीच में व्यवधान नहीं डालेंगे।"

अब नेहरू विस्तार से बताने लगे कि चीन ने भारत पर हमला करने से पहले कितनी तैयारी की हुई थी। इसी बीच, स्वामी रामेश्वरानंद ने फिर तेज आवाज में कहा, 'मैं तो यह जानने में उत्सुक हूं कि जब चीन तैयारी कर रहा था, तब आप क्या कर रहे थे?" अब नेहरू अपना आपा खो बैठे और कहने लगे, 'मुझे लगता है कि स्वामी जी को कुछ समझ नहीं आ रहा। मुझे अफसोस है कि सदन में इतने सारे सदस्यों को रक्षा मामलों की पर्याप्त समझ नहीं है।' वे सदन में अंग्रेजी में अपनी बात रख रहे थे। निश्चित रूप से चीन से जंग के कारण वे हताश थे। उन्हें उस जंग की परिणाम ने गहरी चोट पहुंचाई थी। इसलिए वे सदस्यों पर बरसने लगते थे।

बहरहाल, चीन के खिलाफ जंग के 62 साल गुजरने के बाद भी देश उस युद्ध में जो कुछ हुआ, उसे भुला नहीं पाया है। हालांकि तब से की कई पीढ़ियां पैदा हुईं और जवान हो गईं। राजधानी दिल्ली में अनेक सड़कों के नाम जंग में देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीरों के नामों पर हैं। पर साउथ दिल्ली की ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग पहली सड़क थी जो किसी रणभूमि के योद्धा के नाम पर रखी गई थी। यह बात 1963 की है। चीन के साथ हुई जंग के बाद पहले जिस सड़क को लक्ष्मी बाई नगर मार्ग कहा जाता था,वो हो गई ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग। ब्रिगेडियर होशियार सिंह ने चीन के खिलाफ 1962 में हुई भीषण जंग में अपने प्राणों का बलिदान दिया था। वे भारतीय सेना की टुकड़ी की अगुवाई कर रहे थे।

कड़ाके की ठंड में गर्म कपड़े न होने और युद्ध के लिए आवश्यक शस्त्रों के अभाव को उन्होंने आड़े आने नहीं दिया था। उस समय रणभूमि में ब्रिगेडियर होशियार सिंह की शौर्य गाथासुनकर सारे देश में देशभक्ति की भावना पैदा हो गई थी। इसलिए उस युद्ध की समाप्ति के तुरंत बाद राजधानी की एक खास सड़क का नाम उस महान वीर के नाम पर रख दिया गया। होशियार सिंह मार्ग का नामकरण करने के लिए देश के तत्कालीन रक्षा मंत्री यशवंत राव चव्हाण खुद आए थे। यानी देश ने अपने उस महान शूरवीर की याद में एक कृतज्ञता का भाव प्रकट किया था। अब भी ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग से गुजरते हुए उस महान शूरवीर और 1962 की जंग के यादें ताजा होने लगती हैं।

सरकार के प्रोत्साहन से प्रदेश के निर्यात में हुई अभूतपूर्व वृद्धि

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश महाराष्ट्र एवं तमिलनाडु के बाद देश की तीसरी सबसे बड़ी राज्य अर्थव्यवस्था है। अन्य विकसित प्रदेशों की भांति उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास में निर्यात का महत्वपूर्ण योगदान है। प्रदेश में निर्यात संवर्धन हेतु किये जा रहे निरन्तर प्रोत्साहनात्मक प्रयासों एवं निर्मित निर्यात सम्बन्धी संरचनात्मक वातावरण के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश से होने वाले निर्यात में वर्ष 2017–18 की तुलना में लगभग 28 प्रतिशत की वृद्धि दर प्राप्त करते हुए वर्ष 2018–19 में रूपये 1,14.057 करोड़ का निर्यात किया गया है जो इसी अवधि में राष्ट्रीय निर्यात वृद्धि दर की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक रहा है। देश से हो रहे निर्यात में प्रदेश की भागीदारी लगभग 5 प्रतिशत हो गयी है। वित्तीय वर्ष 2021–22 में प्रदेश के निर्यात में विगत वर्ष 2020–21 की तुलना में 30 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2022–23 में प्रदेश से रूपये 174037 करोड़ मूल्य का निर्यात हुआ जो गत् वर्ष 2021–22 की तुलना में 16.5 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2023–24 में प्रदेश के निर्यात में गत की वर्ष तुलना में 10 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रदेश से रेडीमेड गारमेंट्स, लेदर फुटवियर, गोल्ड ज्वेलरी, आयरन, स्टील उत्पाद, कारपेट, एल्युमीनियम उत्पाद, फिनिश्ड लेदर, हैण्डीक्राफ्ट खाद्यान्न वस्तुऐ आदि उत्पादों को मुख्य रूप से यूएसए, यूएई, वियतनाम, यूके, नेपाल, जर्मनी, चीन आदि देशों को अपने उत्पाद निर्यात किये जा रहे है।

निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत प्रोत्साहन/सुविधा प्राप्त करने हेतु ब्यूरो में पंजीयन की व्यवस्था की गयी है तथा पंजीकरण की सम्पूर्ण प्रक्रिया वर्ष 2014–15 से ऑनलाइन की जा चुकी है। प्रदेश में अद्यतन 3157 निर्यातक

इकाईयों द्वारा ऑनलाइन पंजीयन कराया गया है। प्रदेश के निर्यातकों को विभिन्न सरकारी विभागों में उनके कार्य में वरीयता/प्राथमिकता एवं यथोचित सम्मान तथा विभिन्न सरकारी कार्यालयों में बिना प्रवेश पत्र के प्रवेश की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से गोल्ड कार्ड एवं सिल्वर कार्ड जारी किये जाने की व्यवस्था है। इस योजना के अन्तर्गत एक वर्ष में रूपये 50.00 लाख से अधिक टर्न ओवर करने वाली निर्यातक इकाईयों को गोल्ड कार्ड एवं रूपये 20.00 लाख से अधिक टर्न ओवर करने वाली निर्यातक इकाईयों को सिल्वर कार्ड जारी किये जाने की व्यवस्था की गयी है। प्रदेश में अद्यतन 745 इकाईयों को गोल्ड कार्ड एवं 63 इकाईयों को सिल्वर कार्ड से सम्मानित किया गया।

योजनाओं का सरलीकरण एवं उपादान राशि में वृद्धि–प्रदेश सरकार द्वारा संचालित त्वरित निर्यात विकास प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्रदान जाने वाली सुविधाओं को समयानुकूल एवं युक्तिसंगत बनाये जाने के प्रावधान के अनुपालन में संदर्भित योजना के दिनांक 13 मई, 2022 को जारी नवीनतम शासनादेश के माध्यम से उपयोजनाओं में संशोधन किया गया है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर निर्यातकों को विपणन विकास सहायता योजनान्तर्गत प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग क्षेत्र के निर्यातकों को विदेशी मेला/प्रदर्शनी में भाग लेने पर स्टाल चार्जेज पर रूपये 02 लाख तथा हवाई यात्रा पर रूपये 1.00 लाख की गयी है। प्रचार प्रसार, कैटेलाग, विज्ञापन, वेबसाइट इत्यादि को तैयार करने पर हुए व्यय पर अनुमन्य सहायता राशि 0.60 लाख से बढ़ाकर रूपये 0.75 लाख प्रति निर्यातक प्रति वर्ष की गयी। विदेशी क्रेताओं को नमूनों के प्रेषण में हुए व्यय पर अनुमन्य सहायता राशि में वृद्धि करते हुए रूपये 0.50 लाख से अधिकतम रुपये 1.00 लाख प्रति निर्यातक प्रति वर्ष की गयी। गुणवत्ता नियंत्रण योजनान्तर्गत आई०एस०ओ० एवं बी.आई.एस की विभिन्न श्रेणियों यथा–ऊनी उत्पादों के लिए वूलमार्क, स्वर्णाभूषण के लिए हाल मार्क, फूड सेफ्टी के लिए एच.ए.सी. सी.पी. एवं विद्युत उपकरणों के लिए सी0 मार्क आदि के प्रमाणीकरण हेतु किये गये व्यय पर अनुमन्य सहायता राशि रूपये 0.75 लाख को बढ़ाकर रूपये 2.00 लाख प्रति निर्यातक प्रति वर्ष की गयी। विदेशों में ट्रेड फेयर बायर सेलर मीट इत्यादि के आयोजन पर आयोजक संस्था को व्यय का 90 प्रतिशत अथवा रुपये 0.75 लाख तक की सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। देश में आयोजित किए जाने वाले अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के व्यापार मेलों हेतु आयोजक संस्था को कुल व्यय का 75 प्रतिशत अधिकतम रुपये 0.50 लाख की धनराशि का प्रावधान किया गया है। वर्चुअल ट्रेड फेयर के आयोजन पर भी रुपये 0.25 लाख तक की सहायता धनराशि का प्रावधान किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर निर्यातको को विपणन विकास सहायता योजनान्र्तगत वर्ष 2018–19 से वर्ष 2023–24 तक धनराशि रूपये 3112.29 लाख की सहायता देते हुए 3661 इकाईयों को लाभान्वित किया जा चुका है।

आचार्य–अभिभावक संगोष्ठी कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सुल्तानपुर। सरस्वती विद्या मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ज्ञान कुंज विवेकानन्द नगर में आचार्य अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें जूनियर कक्षाओं के भैया बहनों के अभिभावकों की अलग–अलग दो सत्रों में संगोष्ठी आयोजित की गई। आगन्तुक अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं वन्दना के पश्चात् विद्यालय की वरिष्ठ आचार्या रंजना पाण्डेय ने आचार्य अभिभावक संगोष्ठी की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए आमंत्रित अतिथियों का परिचय कराया।

छात्रों एवं उनके माता–पिता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विद्या भारती अखिल भारतीय विद्या भारती शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित हमारे विद्यालय में हम एक तरफ भैया बहनों की संस्कार युक्त शिक्षा पर बल देते है, तो वहीं उनके सर्वांगीण विकास पर पूर्व निर्धारित योजना बनाकर वर्ष भर कार्य करते रहते हैं। हमारा उद्देश्य एक दूसरे से समन्वय स्थापित कर छात्रों के व्यक्तित्व का विकास करना है। इस गोष्ठी के माध्यम से आप के द्वारा अपने पाल्य के सम्बन्ध जो भी सुझाव दिए जाएंगे। वह हमारे लिए अत्यंत ही महत्वपूर्ण हैं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी ने कहा कि भैया बहनों के सर्वांगीण विकास हेतु हम सतत् प्रयत्नशील हैं। जिसका परिणाम यह है कि हमारे भैया बहनें शैक्षणिक कार्यों में उल्लेखनीय प्रदर्शन तो कर ही रहे हैं, साथ ही खो–खो, कबड्डी आदि में राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में कई वर्षों से लगातार अपना दबदबा कायम कर नित नये कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। हमारे आचार्य बन्धुभगिनी ने अपने छात्रों की सर्वविध उन्नति हेतु अपना एक लक्ष्य निर्धारित कर लिया है। वे उस पर पूर्ण मनोयोग से कार्य कर रहे हैं। किन्तु आपके सहयोग के बिना उस लक्ष्य की पूर्णता संभव नहीं है।

इसीलिए हम आपको अपने बहुमूल्य सुझाव देने के लिए समय समय पर आमंत्रित करते रहे हैं। तथा आपके उन अमूल्य सुझावों को अक्षरशः लागू करने का सम्पूर्ण प्रयास भी किए हैं। हमें अपने छात्रों की अच्छाइयों तथा न्यूनताओं का भी ज्ञान होना चाहिये। हमें अपने एक एक छात्र के व्यक्तित्व के विकास की चिन्ता करनी है। जो आप सभी के सहयोग से ही संभव है। इस अवसर पर उपस्थित अभिभावकों के द्वारा कई महत्वपूर्ण एवं उपयोगी सुझाव दिए गए।

ट्रेलर की टक्कर से कार सवार दंपती जख्मी

सिराथू, कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के अंदावा गांव के नजदीक नेशनल हाईवे पर ट्रेलर की टक्कर से कार सवार दंपत्ति जख्मी हो गए। हरियाणा के फरीदाबाद निवासी मंटू कुमार 30 वर्ष अपनी पत्नी गीतिका 28 वर्ष को साथ में लेकर कार से फरीदाबाद से बिहार के गया जा रहे थे। शनिवार को दोपहर एक बजे 9 जैसे ही उनकी कार कोखराज के अंदावा के पास पहुंची तभी ओवरटेक के चक्कर में सैनी से प्रयागराज की तरफ जा रहे ट्रेलर ने कार में साइड से टक्कर मार दिया। टक्कर लगने से कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे साइड में लगे सेफ्टी तार से टकरा गई। टक्कर लगने से दोनों पति पत्नी को मामूली चोट आ गई। जिन्होंने अपना उपचार कराते हुए आगे के लिए रवाना हो गए उधर ट्रेलर टक्कर मारने के बाद फरार हो गया।

संक्षेप

रोजगार सेवक पर कार्रवाई की मांग

बस्ती।(आरएनएस) मंगलवार को कांग्रेस आरटीआई विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्वान्चल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से डीएम को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि हर्रैया तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत माझा में तैनात गांव के ही रोजगार सेवक कमलेश कुमार द्वारा की जा रही मनमानी की जांच कराकर प्रभावी कार्यवाही किया जाय।ज्ञापन में कहा गया है कि रोजगार सेवक कमलेश कुमार की पत्नी श्रीमती प्रेमा देवी माझा में मनरेगा की मजदूर बनकर फर्जी तरीके से समय–समय पर भुगतान लेती रहती हैं जो मानकों के विरूद्ध है। ज्ञापन में जाब कार्ड की प्रति संलग्न करते हुये मांग किया गया है कि रोजगार सेवक कमलेश कुमार के गतिविधियों की जांच कर प्रभावी कार्यवाही कराने के साथ ही भ्रष्टाचार पर अंकुश लगवाया जाय।

खिवाई के पास हादसे में बाइक सवार किशोर की मौत

मेरठ(आरएनएस)। मेरठ बड़ौत मार्ग पर कस्बा खिवाई के पास सड़क हादसे में बाइक सवार किशोर की मौत हो गई। गांव शाहजहांपुर जनपद बागपत निवासी 17 वर्षीय शाहनवाज पुत्र सरफराज व समीर पुत्र मोमीन मंगलवार को बाइक पर सवार होकर मेरठ किसी काम से जा रहे थे। जैसी ही वह मेरठ बड़ौत मार्ग पर कस्बा खिवाई के पास पहुंचे तो ट्रक को ओवरटेक करते समय सामने से आ रहे तेल के खाली टैंकर से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। शाहनवाज की मौके पर मौत हो गई। जबकि समीर गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराकर परिजनों को सूचना दी। जहां से समीर की हालत गंभीर देखते हुए मेरठ रेफर कर दिया गया। किशोर की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है।

दबंगो ने दूधिया को पीटा

कौशाम्बी। पिपरी क्षेत्र के चायल कस्बे में पुरानी रंजिश को लेकर कुछ लोगो ने दूधिया की पिटाई कर दी। शिकायत पर घायल दूधिया को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा और जांच शुरू कर दी है।चायल कस्बा निवासी राजेन्द्र यादव दूध बेचने का कारोबार करते है। शुक्रवार की शाम वह दूध दुहाने के लिए जा रहे थे तभी शुभम यादव, राजेन्द्र कुमार व महेन्द्र ने पुरानी रंजिश को लेकर गाली–गलौज करना शुरू कर दिया। विरोध करने पर विपक्षियों ने राजेन्द्र यादव की पिटाई कर दी। ग्रामीणों ने बीच बचाव किया इस पर हमलावर धमकी देते हुए भाग निकले।

दो अलग अलग सड़क हादसे में मासूम सहित बुजुर्ग की हुई मौत

धानेपुर (गोण्डा)। धानेपुर थाना क्षेत्र में दो अलग अलग जगह मार्ग दुर्घटना में एक मासूम सहित एक बुजुर्ग की मौत हो गई।हामिद अली पुत्र शौकत अली उम्र 9 वर्ष निवासी राजा पुर मजरा पूरे अकरम जो तुफैल के यहां दावत खाने के लिए गया था।ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से घायल हो गया परिजनों ने आनन फानन में निजी चिकित्सालय में ले गए जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हामिद 6 बहनों में सबसे छोटा व इकलौता भाई था हामिद के पिता रोजी रोजगार के सिलसिले से मुम्बई में रहते थे।वही मंगलवार की रात में अज्ञात मोटरसाइकिल चालक ने विश्राम पुत्र नरेश निवासी रेतवागढ़ा मजरा जलाल पुरवा को ठोकर मार दी। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। विश्राम के पुत्र कर्ता राम ने धानेपुर पुलिस से शिकायत करते हुए कहा है कि रात को अपने घर के सामने खड़े थे।तभी एक नई हौंडा साइन मोटरसाइकिल जिस पर पंजीयन नंबर अंकित नहीं है। अज्ञात वाहन चालक तीव्र गति से आते हुए हमारे पिताजी को ठोकर मार दी जिन्हें गंभीर चोटे आई, इलाज के लिए जिला मुख्यालय ले गए जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। वही प्रभारी थानाध्यक्ष खुश मोहम्मद ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और मासूम हामिद के परिवार के तरफ से अभी कोई प्रार्थना पत्र प्राप्त नहीं हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

बाइक–साइकिल की टक्कर में मौत

गोण्डा। तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत कर्नलगंज से हुजूरपुर मार्ग पर गोड़वा नसीरपुर के पास बाइक की टक्कर से साइकिल सवार कोटेदार की दर्दनाक मौत हो गई। इस दुर्घटना मे तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली खबर के मुताबिक मंगलवार की देर शाम को ग्राम गोड़वा के 65 वर्षीय गिरीश तिवारी कोटेदार साइकिल से अपने घर जा रहे थे। वह अपने गांव के समीप पहुंचने वाले थे, इसी दौरान सामने से आ रहे बाइक सवार से भिड़ंत हो गई।दुर्घटना में साईकिल सवार गिरीश तिवारी व थाना कटरा बाजार क्षेत्र के ग्राम निंदूरा के रहने वाले बाइक सवार 18 वर्षीय परवेज पुत्र नसीर,19 वर्षीय फरमान पुत्र महमूद अली तथा 28 वर्षीय सजीम शाह पुत्र ढोंढेघ को गंभीर चोटें आईं। लोगों द्वारा सभी घायलों को एम्बुलेंस की मदद से कर्नलगंज सीएचसी भेजवाया गया। जहां गंभीर रूप से घायल गिरीश तिवारी और बाइक सवार परवेज व फरमान को चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गोंडा मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। जहां कोटेदार गिरीश तिवारी की मौत हो गई। हादसे के बाद से परिजनों में कोहराम मचा है। घटना की सूचना मिलते ही भारी संख्या में लोग सीएचसी पहुंच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पिता–पुत्र को पीटकर किया घायल

चरवा, कौशाम्बी। चरवा थानाक्षेत्र के काजू गांव में शुक्रवार की शाम पुराने विवाद को लेकर दबंग भाइयों ने घर में घुसकर एक व्यक्ति को जमकर पीट दिया। शोर सुनकर बीच बचाव करने पहुंचे उसके पुत्र को भी पीटा। इससे दोनों लोग घायल हो गए। मौके पर जुटे लोगों ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। घायलों ने थाने जाकर आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। तहरीर मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।काजू गांव निवासी रामनारायण शुक्ला पुत्र प्रेमनारायण शुक्ला किसानी कर परिवार का गुजारा करता है।उसके अनुसार गांव के एक परिवार से पुराना विवाद चल रहा है। शुक्रवार की शाम वह घर के अंदर बैठे थे।इसी दौरान चारों भाई हाथों में डंडे लेकर उसके घर के अंदर पहुंचे और उसके साथ गाली गलौच करने लगे।आरोप है कि विरोध करने पर वह रामनारायण की पिटाई करने लगे। शोर सुनकर बीच बचाव करने पहुंचे पुत्र उत्तम शुक्ला को भी जमकर पीट दिया। पिटाई से दोनों को काफी चोटें आईं। उन्होंने घर के सामान भी तोड़ डाला।मौके पर जुटे लोगों ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। घायलों ने थाने जाकर चारों भाइयों के खिलाफ मामले की तहरीर दी। तहरीर मिलने के बाद पुलिस शिकायत की जांच में जुट गई है।

चौपाल लगाकर महिलाओं व छात्रों को हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी दी

कौशाम्बी। मिशन शक्ति अभियान फेज–05 के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थानों के थाना प्रभारी व महिला बीट उपनिरीक्षक, आरक्षियों द्वारा चौराहों, बस स्टैण्ड, टैक्सी स्टैण्ड, जिला अस्पताल, गांव, विद्यालय व कस्बा में भ्रमण कर चौपाल लगाकर मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। थाना महेवाघाट द्वारा दलेलगंज तथा हीरागंज में ,महिला थाना द्वारा हैप्पी किड्स स्कूल में , थाना संदीपन घाट द्वारा ग्राम महंगांव में , थाना कौशांबी द्वारा ग्राम पाली में ,थाना कड़ाधाम द्वारा शीतला धाम मंदिर परिसर में भ्रमण शील रहकर , थाना मो0पुर पइंसा पुलिस द्वारा प्राथमिक विद्यालय जवई, पिपरी थाना पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में रहकर, थाना सैनी द्वारा उच्च माध्यमिक विद्यालय सिराथू में, थाना सरायकिल द्वारा क्षेत्र में भ्रमण शील रहकर कार्यक्रम का आयोजन कर बच्चियों, महिलाओं को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया तथा उनके प्रति होने वाले किसी भी अपराध एवं संबंधित अपराधियों के बारे में तत्काल पुलिस एवं शक्ति मित्र महिला पुलिसकर्मियों अथवा थानों में बने महिला हेल्प डेस्क पर सूचना देने के लिए जागरूक किया गया। महिलाओं एवं बच्चियों को पम्पलेट वितरित कर विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जैसे– 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वीमन पावर हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ सेवा, 108 एंबुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन, 181 वन स्टाप सेन्टर, तथा (8) 112 पुलिस आपात कालीन सेवा आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया तथा इमरजेन्सी कॉल, पैनिक बटन का मोबाइल पर उपयोग करने हेतु डेमो दिखाया गया एवं महिला अपराध आदि की जानकारी देते हुए उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया गया तथा सरकार द्वारा जारी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, अभ्युदय योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, निराश्रित महिलाओं को पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन योजना, आयुष्मान योजना आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी।

भुगतान न होने से व्यवस्थाएं हो रही प्रभावित

कहा कि जल्द भुगतान न हुआ तो गौशाला की चाभी जमा करेंगें प्रधान

चित्रकूट(आरएनएस)। ग्राम प्रधान संघ जिलाध्यक्ष सुनील शुक्ला की अगुवाई में जिले के सभी प्रधान लामबंद होकर सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे। यहां पर प्रधानों ने नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया और धरने पर बैठ गए। एडीएम उमेशचंद्र निगम ने पहुंचकर प्रधानों की समस्याएं सुनीं और ज्ञापन लिया।

प्रधानों ने ज्ञापन में अवगत कराया कि पिछले 15 जुलाई से लिखित आदेश होने पर गौशालाओं का संचालन शुरु किया गया था। जनपद में अगस्त माह से सभी गौशालाएं संचालित हो रही है। जिनकी रोजाना जीपीएस फोटोग्राफ के अलावा जिले व ब्लाक स्तर से नियुक्त नोडल अधिकारी भ्रमण कर निरीक्षण भी करते रहे है। पांच महीने बीतने जा रहे है, लेकिन अभी तक भरण–पोषण का कोई भुगतान नहीं किया गया है। भुगतान न होने से गौशालाओं की व्यवस्थाएं अब प्रभावित हो रही है। संचालन करना मुश्किल होता जा रहा है। जिम्मेदार अधिकारियों को फर्क नहीं नहीं पड़ रहा है। कई बार अवगत कराने के बाद भी भुगतान नहीं किया गया है। अधिकारी यह दबाव बना रहे हैं कि अक्टूबर माह से ही मांग पत्र लगाया जाए। इस पर कोई भी प्रधान सहमत नहीं है। कहा कि अगर अगस्त माह से भुगतान नहीं हुआ तो गौशालाओं में होने वाली अव्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी।

जल्द ही सभी प्रधान गौशालाओं की चाभी कलेक्ट्रेट सभागार में एक साथ जमा कर देंगे। कलेक्ट्रेट से प्रधान विकास भवन पहुंचे। सीडीओ अमृतपाल कौर से वार्ता हुई। सीडीओ ने कहा कि अभी अक्टूबर माह का ही भुगतान किया गया। पिछले अन्य महीनों के भुगतान को लेकर शासन से धनराशि मांगी जाएगी। इस दौरान ब्लाक अध्यक्ष कर्वी विष्णुकात पांडेय, पहाड़ी अभिलाष पटेल, रामनगर पुष्पलता सिंह, मऊ जगदीश पटेल, मीडिया प्रभारी विपिन मिश्रा, इंद्रजीत, आनंद सिंह पटेल, रघुनंदन, कृष्णा रावत, बेलपतिया, प्रदीप सिंह, भूपेन्द्र सिंह, विक्की सिंह, राकेश द्विवेदी, जगदीश पटेल, अरुण सिंह, कमल यादव, दीपक तिवारी, सुनील शुक्ला, विद्यासागर, करन सिंह, दादूराज, रामनाथ, रामशरण, रामेश्वर, विपिन, रवि कुमार, राधेश्याम, रामबाबू, रामआसरे, राजेन्द्र सिंह, मुन्ना आदि मौजूद रहे।

कृशकों को ग्राउण्ड गोड़े में दिया गया प्रषिक्षण

प्रतापगढ़। प्राथमिक विद्यालय के सामने आँवला पैक हाऊस ग्राउण्ड ग्राम–गोड़े में आवंला एवं पान के कृषकों को प्रशिक्षण विजय किशोर सिंह उद्यान निरीक्षक औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र खुशरूबाग प्रयागराज एवं डॉ0 राम सेवक चौरसिया पूर्व प्रधान वैज्ञानिक एन.बी.आर.आई. लखनऊ द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में आंवला फसल प्रबन्धन, आंवला तुड़ाई के पश्चात् प्रोसेसिंग तथा उससे सम्बन्धित सरकार की विभिन्न योनजाओं के सम्बंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा जनपद में बन रहे आंवला फंक्शनल पैक हाउस के बारे में जानकारी देते हुए किसानों से अनुरोध किया गया कि वे अधिकाधिक संख्या में आंवला फंक्शनल पैक हाउस कमेटी की सदस्यता प्राप्त कर ले, जिससे भविष्य में उसका लाभ प्राप्त कर सके। कार्यक्रम का संचालन मो0 फाजिल उद्यान निरीक्षक द्वारा किया गया।

दरोगा समेत तीन पुलिस कर्मियों पर रिपोर्ट, निलंबित

मेरठ(आरएनएस)। मेरठ में सोने की तस्करी के मामले में सलमान को लिसाड़ी गेट थाने के एक कमरे में अवैध हिरासत में रखकर यातनाएं देने और 8 लाख वसूलने के आरोप में तीन पुलिसकर्मियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। दरोगा महेंद्र, सिपाही हेड कांस्टेबल विकास और कांस्टेबल ओमबीर को एसएसपी ने निलंबित कर दिया है। पीड़ित सलमान की तहरीर पर मामला दर्ज किया गया है और एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह की रिपोर्ट पर कार्रवाई हुई है।लोहियानगर थाने के अहमदनगर निवासी सलमान पर आरोप लगा था कि वह सऊदी अरब से सोने की तस्करी करता है। इसके बाद सूचना फैली कि उसने दुबई से तस्करी का करीब 20 लाख रुपये का सोना मंगाया था। एयरपोर्ट पर सोने की डिलीवरी लेने के लिए उसने अहमदनगर निवासी समीर को भेजा था। समीर एयरपोर्ट से सोना लेकर फरार हो गया। सोना वापस लेने के लिए सलमान ने समीर के परिवार पर दबाव बनाया।पंचायत में तय हुआ कि समीर का भाई शाहिद सलमान को नौ लाख रुपये देगा। तीन लाख रुपये सलमान को दे दिए गए। छह लाख रुपये किस्तों में देने की बात तय हुई। इसकी जानकारी लिसाड़ीगेट थाने में तैनात दरोगा महेंद्र, सिपाही हेड कांस्टेबल विकास और कांस्टेबल ओमवीर को मुखबिर से मिल गई। तीनों पुलिसकर्मी 30 अक्तूबर को शाहिद को थाने ले आए। आरोप है कि 31 अक्तूबर की रात दो लाख रुपये वसूल कर शाहिद को छोड़ दिया।सलमान के परिजन एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह के पास पहुंचे और पूरे प्रकरण की जानकारी दी।

डीएम कार्यालय का हिंदू संगठनों ने घेराव कर सौंपा ज्ञापन

➤ गैर कानूनी तरीके से हिंदुओं को निशाना बना रहे लोगों के खिलाफ तेज होगी लड़ाई– वेद प्रकाश सत्यार्थी

➤ हजारों की संख्या में उतरे हिंदूवादी कार्यकर्ताओं किया प्रदर्शन

कौशाम्बी। जिले में बड़ी संख्या में हिंदू धर्म के मानने वालों के खिलाफ जो साजिश चल रही है वह किसी भी स्तर में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चायल नगर में गोहत्या के मामले में अभी तक मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई। बलीपुर नारा गांव में दुर्गा विसर्जन के समय पर चलाए गए पत्थर के मामले में सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई। इसके साथ सैयद सरावां के मदरसे से चल रहे जिहाद, धर्मांतरण पर कार्रवाई नहीं होना। जिले के प्रशासनिक विफलता का द्योतक है। आज जिले में जिस तरीके से वर्ग विशेष के लोग धर्म के चलते हमलावर है। वह चिंता का विषय है उक्त बातें कार्यक्रम संयोजन कर रहे हिंदू अभिनेता वेद प्रकाश सत्यार्थी ने कहीं। बोलते हुए उन्होंने कहा कि जिस तरीके से जिला प्रशासन इन सभी मामलों में अनदेखी कर रहा है। वह जिले में सनातन धर्म को मानने वाले में आक्रोश का कारण बन गया है। आज जिस तरीके से हजारों लोगों ने उतरकर अपना विरोध कराया वह दिख रहा है कि लोगों में बड़ी नाराजगी है। इस मौके पर मौजूद लोगों ने अपर जिला अधिकारी प्रबुद्ध सिंह को देश के गृहमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में चायल नगर पंचायत के सरकारी कान्हा गौशाला में कई गोहत्या हुई थी क्षत विक्षत शव मिले थे। इस मामले में नगर पंचायत प्रतिनिधि सहित अन्य लोगों का नाम आया था। ऊंची पहुंच के चलते इन पर कार्रवाई नहीं की गई सभी आरोपियों षड्यंत्रकरियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित कराई जाए। दूसरी मांग मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के बलीपुर नारा गांव में दुर्गा पूजन के अवसर पर मूर्ति विसर्जन के दौरान वर्ग विशेष के द्वारा हिंसा में सभी आरोपियों की गिरफ्तारी। चरवा थाना क्षेत्र के सैयद सरावा गांव स्थित मदरसे से विदेशी फंडिंग के दम पर चल रहे जिले भर में धर्मांतरण लैंड जिहाद लव जिहाद के साथ विदेशी शिक्षण तथा छात्रों की जांच कर अवैध कार्यों में में कार्यवाही। जिले में पुनः ईसाई मिशनरियों तथा संस्था वर्ल्ड विजन के द्वारा धन्मांतरण चंगाई सभाओं का आयोजन कराया जा रहा है। इन पर आर्थिक लेनदेन की गतिविधियों को साथियों के साथ कार्रवाई हो जिससे इनकार पुजारी के शीर्ष पर बैठे लोगों के खिलाफ कार्रवाई। जिले भर में वर्ग विशेष के द्वारा सरकारी जमीनों तालाबों चरागाहों तथा ऊसर बंजर जमीनों पर अवैध रूप से एक षड्यंत्र के तहत अवैध धार्मिक और व्यक्तिगत निर्माण कराया जा रहे हैं इन पर कठोर कार्रवाई किया जाय। इस मौके बोलते हुए नेता शिवम पांडे ने कहा कि यदि अभी कार्रवाई नहीं होती तो 15 दिन बाद हजारों की संख्या में अनिश्चितकाल के लिए हिंदू धरने में बैठने के लिए बाध्य होगा। इस मौके पर प्रमुख रूप से दीपक, शिवम, मुकुल, अंकित, प्रिंस, महेंद्र, तारीफ यादव, वीरेंद्र दिवाकर, सर्वेश पटेल, संजय पटेल, आशीष द्विवेदी, कामता प्रसाद, अर्जुन, अमर सिंह, कृष्ण, विक्रम , राजाराम, युवराज ठाकुर, नीरज, प्रीतम मौर्य,, अभिषेक राजपूत अजय राजपूत, मनदीप दिवाकर, कृष्णदत्त ओझा, मूलचंद, राम सिंह, संदीप शुक्ला, संजय, रोहन, बबलू अजीत, टीकम, समीर चौधरी, श्यामू लोधी, नीरज मोदनवाल, विकास अग्रहरी, निहाल पाण्डेय, आकाश सोनी, वीरेन्द्र सोनी, विनोद केशरवानी, ऋषि मोदनवाल, जितेन्द्र गुप्ता, लाला पाण्डेय सहित सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहें।

निवर्तमान महापौर को जन्मदिन की शुभकामनाएं

प्रयागराज। निवर्तमान महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी के समर्थक ने उनका जन्मदिन केक काटकर व अंगवस्त्रम पहनाकर मनाया। भाजपा महानगर कीडगंज मण्डल ने बहादुरगंज स्थित मनोकामना पूर्ति शिव मंदिर में सुन्दरकांड पाठ का आयोजन कर अभिलाषा गुप्ता नन्दी जी के दीर्घायु होने कामना की। मण्डल अध्यक्ष दिलीप केसरवानी, राघवेन्द्र मिश्रा, सुमित वैश्य, रणविजय सिंह, हर्ष केसरी, गौरव मिश्रा, विवेक साहू, अनूप मिश्रा, ऋषभ श्रीवास्तव, कुंवरजी केसरवानी, सिद्धार्थ जायसवाल, विनीत जायसवाल, धर्मेंद्र केसरवानी, आलोक सिंह, स्वाति गुप्ता, मनोज गुप्ता, गीता श्रीवास्तव, परमानन्द वर्मा, अवंतिका टंडन, राणा चावला, साहिल अरोरा, राजेश कुशवाहा, पवन चौरसिया, अमरजीत सिंह, दीपक कुशवाहा, शिव भारती, मुकुंद तिवारी, रजत दुबे उपस्थित रहे।

सिटकहवा दैत्रा बीर बाबा एवं हनुमान मंदिर के वार्षिक शृंगार पर 18 तक फैसला लें डीएम

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सिटकहवा दैत्रा बीर बाबा एवं हनुमान मंदिर के वार्षिक शृंगार व मेले का 20 साल से आयोजन किया जा रहा है। इसमें कोई कानूनी बाधा नहीं है तो वाराणसी के डीएम व पुलिस आयुक्त अनुमति दें। याचियों के प्रस्तुत आवेदन पर 18 दिसंबर तक फैसला लें। न्यायालय ने यह भी कि हाईकोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड ऑर्डर के आधार पर सभी पक्ष कार्य करेंगे। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी शराफ व विपिन चंद्र दीक्षित की खंडपीठ ने हनुमान जी एंड सिटकहवा दैत्र बीर ब्रह्मा बाबा की याचिका पर दिया। श्री हनुमान जी और श्री सिटकहवा दैत्र बीर ब्रह्म बाबा मंदिर गोपालपुर कोरौता वाराणसी की ओर से संजय यादव ने याचिका दाखिल की थी। वार्षिक कार्यक्रम के आयोजन के लिए जिला प्रशासन के समक्ष आवेदन पत्र दिया था। प्रशासन ने अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। याची के अधिवक्ता राजकुमार केशरी ने दलील दी कि यह वार्षिक मेला 20 साल से आयोजित किया जा रहा है। ऐसे में इस मेले के लिए अनुमति न देना कानून व संविधान के विपरीत है।

बसपा प्रत्याशी की विवादित भूमि पर निर्माण को गिराने पहुंचा प्रशासन

प्रयागराज। फूलपुर से बसपा प्रत्याशी जितेंद्र कुमार सिंह के हनुमानगंज में जीटी रोड के पास स्थित पट्टी घीना उर्फ लालापुर में एक जमीन के टुकड़े पर निर्माण गिराने सोमवार को प्रशासन की टीम पहुंच गई। गहमागहमी के बाद शाम करीब चार बजे राजस्वकर्मी व पुलिस बिना कार्रवाई के वापस लौट गई। बसपा प्रत्याशी ने इसे राजनीतिक कार्रवाई बताया है। क्षेत्र के पट्टीघीना उर्फ लालापुर में भूमि संख्या 413 रकबा 7 बीघा दो बिस्वा राजस्व अभिलेखों में पीडब्ल्यूडी व नान जेडए के खाते में दर्ज है। इस जमीन के कुछ भाग पर फूलपुर विधानसभा उप चुनाव में बसपा प्रत्याशी रहे जितेंद्र कुमार सिंह और उनके परिवार का कब्जा है। सोमवार दोपहर पीडब्ल्यूडी की शिकायत पर राजस्व कर्मी और सरायइनायत पुलिस कब्जा हटाने के लिए मौके पर पहुंच गई। जितेंद्र सिंह ने विरोध किया तो राजस्व कर्मियों ने उप जिलाधिकारी फूलपुर के जारी नोटिस का हवाला दिया और तत्काल जमीन खाली करने का निर्देश दिया। कब्जाधारकों ने जमीन को लेकर न्यायालय में वाद विचाराधीन होने का साक्ष्य प्रस्तुत किया। इसके बाद भी प्रशासन कुछ मानने को तैयार नहीं हुआ। जानकारी होने पर कई बसपा कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए। शाम चार बजे राजस्व कर्मी और पुलिस बिना कार्रवाई के चले गई। जितेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि यह कार्रवाई राजनीति से प्रेरित है। मतगणना के दौरान सत्ता पक्ष के वर्तमान विधायक से विवाद के बाद बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही है। उन्हें उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश भी प्राप्त हो गया है।

आयोग में ही होगी विभागीय परीक्षा-2024

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से 15 से 24 फरवरी तक विभागीय परीक्षाएं–2024 का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा प्रयागराज स्थित आयोग के परीक्षा भवन (भूमितल) में आयोजित की जाएगी। आयोग के परीक्षा नियंत्रक हर्षदेव पांडेय के मुताबिक परीक्षा दो पालियों में सुबह नौ से दोपहर 12 बजे व अपराह्न से शाम पांच बजे तक आयोजित की जाएगी। जिन कार्मिकों को प्रवेश पत्र प्राप्त न हो पाएं, वे परीक्षा वाले दिन सुबह आठ बजे आयोग के विभागीय परीक्षाएं अनुभाग से प्रवेश पत्र की द्वितीय प्रति प्राप्त कर परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। इस परीक्षा में तहसीलदार, नायब तहसीलदार, वन विभाग के अधिकारी, सिंचाई विभाग के अधिकारी, स्टाम्प एवं निबंधन विभाग के अधिकारी, सहकारित विभाग के अधिकारी, गन्ना विकास विभाग के अधिकारी, सेवायोजन एवं राज्य प्रशिक्षण सेवा के अधिकारी और जिला लेखा परीक्षा अधिकारी शामिल होंगे।

जागृति चौराहा मानक के अनुरूप बनाने की गुहार

प्रयागराज। कालिंदीपुरम के जागृति चौराहा को मानक के अनुरूप बनाने की मांग की गई है। कालिंदीपुरम जागृति समिति के अध्यक्ष जेपी तिवारी ने बताया कि निर्माणाधीन चौराहे पर दुर्घटना की संभावना बनी रहेगी। चौराहे से वाहनों की कतार लगी रहती है। चौराहे के मार्गों पर कहीं स्पीड ब्रेकर नहीं बनाया जा रहा है। संस्था के अध्यक्ष ने लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चौराहे की योजना में बदलाव करने की मांग की है। जेपी तिवारी का दावा है कि एकबार चौराहे का निर्माण पूरा होने के बाद दोबारा इसमें परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा।

महाकुम्भ तक तैयार नहीं हो पाएगी एसआरएन में पानी की टंकी

प्रयागराज। महाकुम्भ के तहत एसआरएन अस्पताल में बनाई जा रही नई पानी टंकी का निर्माण अभी पूरा नहीं हुआ है। जबकि मेला शुरू होने में एक माह से कम बचा है। चिकित्सा शिक्षा विभाग की से मरीजों व तीमारदारों की सुविधा के लिए नई पानी टंकी बनाने का कार्य जनवरी 2024 में शुरू हुआ था। कार्यदायी संस्था की ओर से पानी टंकी का कार्य 30 नवंबर तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित था। लेकिन अभी पानी टंकी को शुरू होने में लगभग एक माह से अधिक समय लगेगा। उप्र प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन की ओर से 348.50 लाख की लागत से बनने वाली पाटी टंकी में अभी पोताई का कार्य चल रहा है। पानी टंकी के साथ सबमर्सिबल पंप, नलकूप की बोरिंग व आरओ वाटर का भी कार्य अभी अधूरा है।

महाकुम्भ: तेरह नए पब्लिक टॉयलेट्स, दो स्पेशल टॉयलेट्स बनवाए जा रहे

प्रयागराज। महाकुंभ को स्वच्छता के मॉडल के रूप में प्रस्तुत करने के लिए इस बार स्वच्छ प्रयागराज का आह्वान किया गया है। इसी के दृष्टिगत नगर निगम द्वारा शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है. सड़कों की धुलाई करवाई जा रही है तो शहर भर के पब्लिक टॉयलेट्स की सफाई का पूरा ख्याल रखा जा रहा है। डेडिकेटेड टीम लगाकर सभी यूरीनर्स और पब्लिक टॉयलेट्स की मैकेनाइज्ड क्लीनिंग करवाई जा रही है। नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग जी के सख्त निर्देश हैं कि शहर भर के सभी पब्लिक टॉयलेट्स की नियमित सफाई की जाए। शहर भर में 226 कम्युनिटी टॉयलेट्स ६ पब्लिक टॉयलेट्स हैं, जिनमें से 184 टॉयलेट्स नगर निगम के वेंडर्स द्वारा संचालित किए जा रहे हैं, जिनकी सफाई व्यवस्था के लिए अतिरिक्त मैन पावर लगाकर

मैकेनाइज्ड क्लीनिंग 24 घंटे में तीन शिफ्ट में सफाई करवाई जा रही है। वहीं, नगर निगम द्वारा 42 कम्युनिटी टॉयलेट्स ६ पब्लिक टॉयलेट्स संचालित किए जा रहे हैं, जिनके रखरखाव और साफ–सफाई का जिम्मा डूडा ने उठाया है। शौचालयों की सुचारू रूप से साफ–सफाई के लिए अतिरिक्त मैन पावर लगाई गई हैं, 24 घंटे में तीन बार सफाई का काम करवाया जा रहा है। 86 पब्लिक टॉयलेट्स की हो रही है मरम्मत, लगवाई गई हैं फसाड लाइटें प्रयागराज नगर निगम के मुख्य अभियंता सतीश कुमार जी ने बताया कि नगर निगम द्वारा शहर के 86 पब्लिक टॉयलेट्स की मरम्मत और नवीनीकरण का कार्य करवाया जा रहा है। मरम्मत के बाद नगर निगम की प्प टीम द्वारा शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने का सन्देश देते हुए कलाकारों और स्कूली बच्चों की मदद से शौचालय की दीवारों पर पेंटिंग बनवाई जा रही है। शौचालय के बाहर फसाड लाइटें भी लगवाई गई हैं। महाकुम्भ के मद्देनजर दो स्पेशल टॉयलेट्स झूंसी और अन्य चौराहे पर बनवाए जा रहे हैं। इसके साथ ही 13 नए शौचालय बनवाए गए हैं। पर्यावरण अभियंता उत्तम वर्मा जी ने बताया कि नगर निगम द्वारा महाकुम्भ के दौरान शहर भर के मुख्य इलाकों में 96 मोबाइल टॉयलेट्स सार्वजनिक स्थान, कमर्शियल एरिया सहित अन्य स्थानों पर लगवाए जाएंगे, जिनमें 20 छह सीटर, 30 आठ सीटर और 46 दस सीटर मोबाइल टॉयलेट्स शामिल होंगे। इसके अलवा, 100 यूरिनल सेट भी लगाए गए हैं, जिनमें प्रत्येक सेट में दो यूरिनल होंगे। इन सभी सुविधाओं के रखरखाव के लिए नगर निगम द्वारा 250–300 मैनपावर की तैनाती की जा रही है। टॉयलेट्स की सफाई के लिए 20 जेटिंग मशीनों का उपयोग किया जाएगा।

राष्ट्रीय कैनो स्प्रिंट चौंपियनशिप में उत्तर प्रदेश टीम को ७ पदक

प्रयागराज। टेहरी डैम, उत्तराखंड में दिनांक 10 दिसंबर 2024 से 16 दिसंबर 2024 तक 38वें राष्ट्रीय खेल 2024 के लिए क्वालीफायर हेतु आयोजित होने वाली 35 वीं सीनियर महिला एवं पुरुष राष्ट्रीय कैनो स्प्रिंट चौंपियनशिप 2024 में उत्तर प्रदेश टीम को 4 ब्रांज व 8 सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ। रितिका व दिया निषाद ने सी–2– 5000 मी० ब्रॉन्ज मेडल बोट क्लब, अजय व प्रदीप 1000 मी० व 5000 मी० सी–2 में मेडल उत्तर प्रदेश पुलिस सिल्वर व ब्रॉज मेडल। सत्यम बालियान व बालवीर जाट 5000 मी० के–2 सिल्वर मेडल उत्तर प्रदेश पुलिस, शिवानी 5000 मी०, 1000 मी०, 500 मी०, व 200 मी० में सिल्वर मेडल आईटीबीपी उत्तर प्रदेश की ओर से प्रतिभाग कर कुल 7 पदक प्राप्त कर प्रदेश का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर इनके प्रशिक्षक रामकुमार व रज्जन यादव उत्तर प्रदेश पुलिस व महिला कोच सरिता निषाद को सुरेश गुप्ता (अध्यक्ष) उपेंद्र कुमार (उपाध्यक्ष), डी० पी० सिंह (सचिव) त्रिभुवन निषाद, गुलाब चन्द्र, संजय श्रीवास्तव, ६ वन कुमार (संयुक्त सचिव) आकांक्षा संजय श्रीवास्तव (कोषाध्यक्ष) उत्तर प्रदेश कयाकिंग एवं कैनोइंग एसोसिएशन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, नितिन कुमार चंद्र, राष्ट्रीय खिलाड़ी, अरुण कुमार, अमित कुमार निषाद, नीरज, प्रशांत श्रीवास्तव, पीयूष निषाद जेसिका आनंद, अरविंद सोनकर, शत्रुघ्न जयसवाल, संजय दूबे, महेश भारती, शिव शंकर सिंह, इनर बिल अध्यक्ष रंजन सिंघानिया, शर्मीली जैन, संजीव जैन, पंकज जैन, विवेक द्विवेदी, यशवंत महेश्वरी व रोटरी क्लब आदि ने बधाई दिया।

हाईकोर्ट ने हेड जेल वार्डर से मुआवजा वसूली आदेश पर लगाई रोक

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रामपुर जिला जेल में महिला कैदी की खुदकुशी मामले में हेड जेल वार्डर पर मुआवजा वसूली आदेश पर रोक लगा दी है। साथ ही राज्य सरकार से जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी ने अनीता रानी की याचिका पर दिया है। याची रामपुर जिला जेल में 2016 में तैनात थी। इसी दौरान गीता ने बैरक में खुदकुशी कर ली। इस मामले में याची पर 30 हजार रुपये मुआवजा लगाया गया। याची अधिवक्ता धनंजय कुमार मिश्र ने दलील दी कि एसीजेएम ने जांच में याची को कदाचार का दोषी नहीं माना। इसके बावजूद 24 अक्तूबर 2024 के आदेश से याची से वसूली का आदेश दिया गया। कोर्ट ने जिला जेल अधीक्षक के वसूली आदेश पर रोक लगा दी है। याचिका पर अगली सुनवाई की तिथि 10 फरवरी नियत की।

इग्नू: जनवरी सत्र के लिए 31 जनवरी तक लें प्रवेश

प्रयागराज। इग्नू (इंदिरा गांधी नेशनल ओपेन विश्वविद्यालय) के इलाहाबाद डिग्री कॉलेज अध्ययन केंद्र में जनवरी सत्र के लिए प्रवेश प्रारंभ हो गया है। इच्छुक छात्र–छात्राएं 31 जनवरी तक ऑनलाइन मोड में प्रवेश ले सकते हैं। एडीसी अध्ययन केंद्र के समन्वयक प्रो. एसपी सिंह ने बताया कि स्नातक (बीए, बीकॉम) और परास्नातक (एमए एमकाम), डिप्लोमा और सार्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश प्रारंभ है। विद्यार्थी अपनी रूचि के अनुसार पाठ्यक्रम प्रवेश ले सकता है। प्रो. सिंह ने यह भी बताया कि पुराने विद्यार्थियों का नामांकन भी शुरू हो गया है। संबंधित विद्यार्थी 31 जनवरी तक नामांकन प्रक्रिया पूरी कर लें। प्रवेश इग्नू के ऑलाइन पोर्टल पर होगा।

पश्चिमी पंगत मुखिया संत श्रीरामनौमी दास पट्टाभिशेक का संपन्न

प्रयागराज। श्रीपंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन की परंपरा में पहली बार कुंभ के पहले संपूर्ण भेष भगवान की मौजूदगी में पश्चिमी पंगत के महंत का चयन हुआ। महंत पद पर दिल्ली दरबार श्रीहरिहर आश्रम के ब्रह्मलीन महंत गुरुशरण दास जी महाराज के शिष्य संत श्रीरामनौमी दास जी का पट्टाभिषेक किया गया। इस अवसर पर संपूर्ण राष्ट्र से विराजमान संत समाज ने उन्हें तिलक चादर कर पद विभूषित किया सम्मानित किया।६ कुंभ के पहले ऐसा अवसर पहली बार हुआ है। बहुत ही हर्ष और उल्लास के साथ गाजे बाजे की मंगलमय ध्वनि के मध्य पौष प्रतिपदा के दिन श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन के मुख्यालय कीडगंज में इस भव्य आयोजन को संपूर्ण पारंपरिक पौराणिक व्यवस्था के साथ आहूत

किया गया। इस अवसर पर सभी अखाड़ों के महंत, संत, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष, श्रीहनुमान जी मंदिर बंधवा वाले के मुख्य कर्ता६ र्ता महंत आदि सभी की सन्निधि में सभी की सहमति से बाल्यावस्था से संत परंपरा का अनुगमन कर रहे। श्रीरामनौमी दास जी को पश्चिमी पंगत का महंत विभूषित किया गया। सबसे पहले अखाड़े के पंच परमेश्वर के द्वारा पश्चिमी पंगत के नवनिर्वाचित महंत को तिलक चादर किया गया। उसके बाद लगभग दो ढाई सौ संतों ने उनकी तिलक चादर की रस्म निभाई जो अपने में एक इतिहास है। इस आयोजन में श्रीपंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन महंत दुर्गा दास जी महाराज, सचिव वैश्यमुनि जी महाराज और ज्ञानेश कमल जी महाराज उपस्थित रहे।

बाइक की चपेट में आया साइकिल सवार घायल

भदोही। थाना क्षेत्र के सूफीनगर के पास रविवार की रात हुए सड़क हादसे में एक साइकिल सवार घायल हो गया। घायल का इलाज निजी अस्पताल में हुआ। धक्का मारने के बाद बाइक सवार भाग निकला। बताया जाता है कि बरौत जिला प्रयागराज निवासी राजकरन किसी काम से सूफीनगर आया था। साइकिल से वह वापस लौट रहा था कि उक्त स्थान पर बाइक सवार ने धक्का मार दी। बाइक की चपेट में आते ही वह गिरकर घायल हो गया। घायल का उपचार निजी अस्पताल में कराया गया।

मोबाइल वैन से पासपोर्ट शिविर का शुभारंभ

प्रयागराज। प्रधान डाकघर से सोमवार को मोबाइल वैन सुविधा के जरिए पासपोर्ट शिविर की शुरुआत की गई। शुभारंभ रीजनल पासपोर्ट अधिकारी शुभम सिंह एवं प्रवर अधीक्षक डाकघर प्रयागराज अमी जैन ने किया। बताया गया कि 16 से 18 दिसंबर तक पासपोर्ट मोबाइल वैन प्रधान डाकघर में स्थित पासपोर्ट कार्यालय पर मौजूद होगी। हर दिन 40 पासपोर्ट आवेदकों को मोबाइल वैन के जरिए आवश्यक दस्तावेज की ऑनलाइन चेकिंग और बायोमैट्रिक समेत अन्य प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी। जमीनी स्तर पर ये प्रयोग सफल रहा तो प्रयागराज में नियमित तौर पर हर माह ऐसे ही मोबाइल वैन शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान सहायक निदेशक कार्यालय पोस्टमास्टर जनरल प्रयागराज मासूम रजा राशिदी, राजेश कुमार तिवारी उपस्थित रहे।

महाकुंभ में शहर के नामी होटलों की वेबसाइट का क्लोन बनाकर बुकिंग के नाम पर ठगी

प्रयागराज। महाकुंभ में शहर के नामी होटलों की फर्जी वेबसाइट बनाकर बुकिंग के नाम पर साइबर ठगी हो रही है। अपराधी नामी होटल की वेबसाइट से मिलती–जुलती नई साइट बना ले रहे हैं। ऐसा ही मामला होटल कान्हा श्याम में भी सामने आया है। होटल महाप्रबंधक रुपेश कुमार सिंह की शिकायत पर सिविल लाइंस थाना पुलिस ने ठगों पर केस दर्ज किया है। हैरानी की बात है कि लगातार मामला सामने आने के बावजूद साइबर पुलिस कोई ठोस कदम नहीं उठा पा रही है। महाकुंभ मेले में लगभग 45 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। भीड़ को देखते हुए दूर–दराज के श्रद्धालुओं ने अभी से ही मेला क्षेत्र के टेंट हाउस व शहर के नामी होटलों में कमरा बुक करना शुरू कर दिया है। जिसे देखते हुए साइबर ठग सक्रिय हो गए हैं। साइबर सेल पुलिस में इसे लेकर लगातार शिकायतें दर्ज कराई जा रही है। होटल महाप्रबंधक रुपेश कुमार सिंह ने पुलिस को बताया कि साइबर ठग उनके होटल की फर्जी वेबसाइट (ीजजचेरू//ीवजमसांदीींेलंउ.बवउ गलत तरीके से बुकिंग के लिए इस्तेमाल हो रहा है। इसमें क्यूआर कोड के माध्यम से वसूली भी की जा रही है। जिससे होटल में आने वाले अतिथियों को महाकुंभ मेले में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। शिकायत पर साइबर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

महिला चिल्लाती रही गाड़ी में करते रहे तोड़फोड़

प्रयागराज। बाइका बाग मोहल्ले में एक कार में तोड़फोड़ करने का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कार में तोड़फोड़ करने वाले युवक की गुंडई दिख रही है। उसकी इस हरकत पर कार में बैठी महिला चिल्ला रही है। दबंगई देखकर राहगीरों ने भी दूरी बना ली थी। हालांकि इस मामले में पीड़ित पक्ष की ओर से पुलिस से शिकायत नहीं की गई है। कीडगंज पुलिस का कहना है कि कोई शिकायत मिलेगी तो कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि मामला रविवार रात का है। एक कार से कुछ लोग कहीं जा रहे थे। रोडरेज के चक्कर में विवाद बढ़ गया। इस दौरान एक युवक डंडा लेकर आता है। उसके बड़े–बड़े बाल हैं।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेल: amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062